पहाड़ पर और गहरा सकता है पेयजल संकट: मुख्य सचिव

देहरादून। जलधाराओं-झरनों को नवजीवन देने संबंधी दो दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्य वक्ता मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह ने कहा कि उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में जलवायु परिवर्तन के कारण पेयजल संकट और अधिक गहरा सकता है। पिछले कई वर्षों से उत्तराखंड में शीतकालीन वर्षा में कमी आई है। इस कारण से जलधाराएं सूख रही हैं। उन्होंने कहा कि जल स्त्रोतों को रीचार्ज करने के लिए सरकार स्वयंसेवी संगठनों, नागरिकों के साथ जुड़ने को तैयार है।

राजपुर मार्ग स्थित एक होटल में लोक विज्ञान केंद्र व अरघ्यम की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में देश भर से आए विशेषज्ञों व शोधार्थियों ने शिरकत की। इनफोसिस के संस्थापक नंदन निलेकर्णी व उनकी पत्नी रोहिणी निलेकर्णी के प्रयास से ही इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। अरघ्यम की चेयरपर्सन रोहिणी निलेकर्णी ने कहा कि उत्तराखंड में जलधाराओं के बिना नदियों की कल्पना असंभव है। इस दौरान डॉ. हिमांशु कुलकर्णी, लोक विज्ञान केंद्र के चेयरमैन डॉ. रवि चोपड़ा ने भी जलधाराओं के सूखने पर चिंता व्यक्त की। **ब्यूरो**